विद्या भारती प्रदीपिका

आषाढ़ से भाद्रपद, विक्रमी संवत् 2080, युगाब्द 5125

जुलाई से सितम्बर 2023 वर्ष 43 अंक 4 मूल्यः ₹35/–

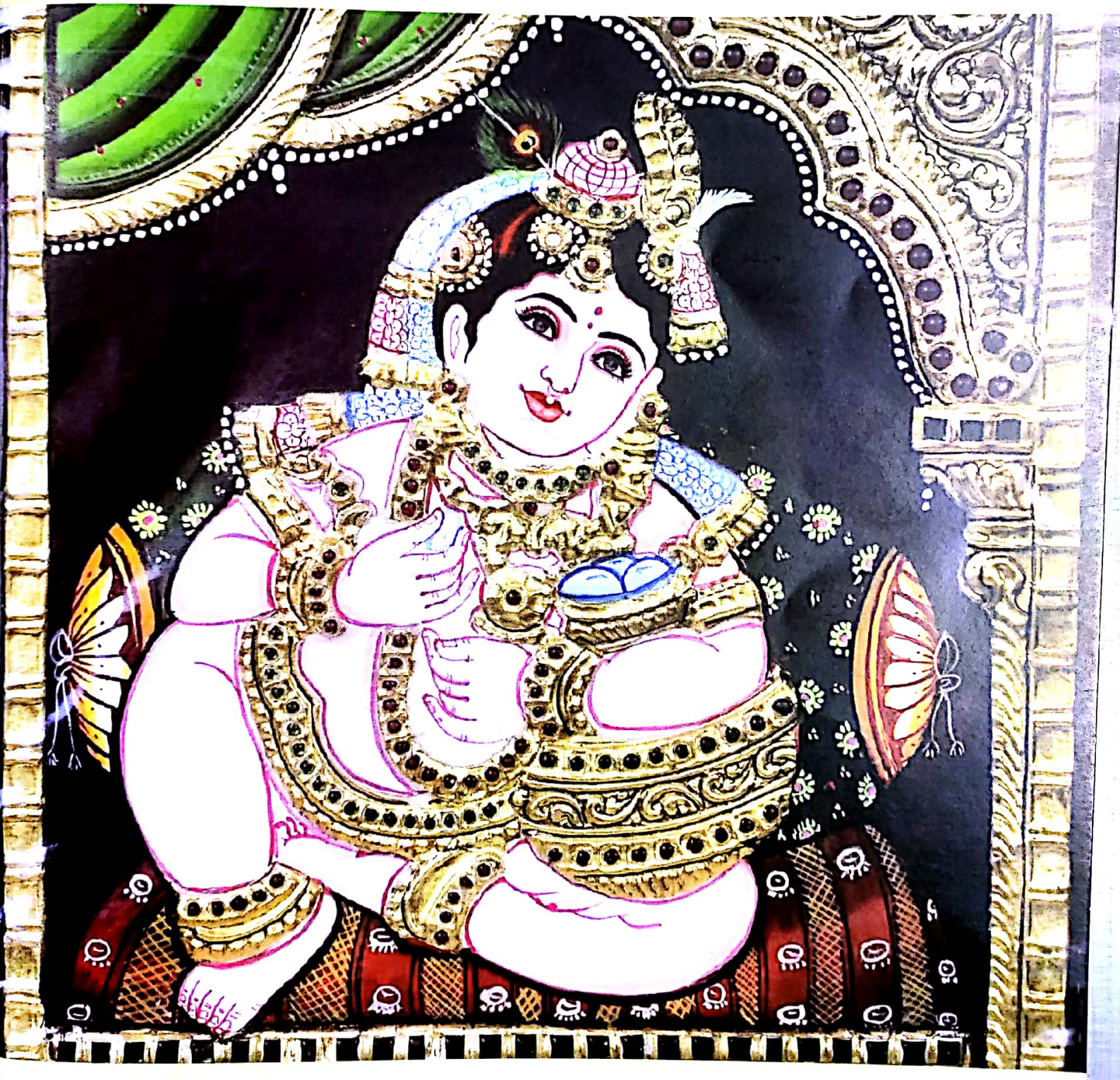

स्व का बोध और समाज रचना, भारतीय ज्ञान परम्परा, धर्मसंस्थापनार्थाय

Moon Mission : Chandrayan-3, G-20 and India

Scanned with CamScanner

ISSN 2395 - 6267 कुल प्रकाशित पृष्ठ 68 RNI NO. 37111/1981

एक बार सुप्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक सी. वी. रमन को राष्ट्रपति सचिवालय से समाचार प्राप्त हुआ कि उन्हें भारतरत्न से सम्मानित किया जाएगा। भारतरत्न से सम्मानित करने की तिथि भी निश्चित हो गई और उनसे उस दिन नई दिल्ली आकर सम्मान प्राप्त करने के लिए अनुरोध किया गया।

श्री सी. वी. रमन ने उक्त तिथि को नई दिल्ली आने में अपनी असमर्थता व्यक्त की। राष्ट्रपति सचिवालय से पुनः कहा गया कि राष्ट्रपति महोदय को उक्त तिथि सभी दृष्टियों से समीचीन लगती है। श्री सी. वी. रमन ने भी पुनः उस तिथि को नई दिल्ली आने में विनम्रतापूर्वक अपनी असमर्थता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उस तिथि को उनके एक शोधछात्र की मौखिक परीक्षा है और उसे छोड़ना संभव नहीं है। यदि राष्ट्रपति महोदय कोई अन्य तिथि नहीं दे पाते, तो कोई बात नहीं। यह कार्यक्रम फिर कभी के लिए टाला जा सकता है लेकिन मेरे शोधछात्र ने इस दिन के लिए तैयारी की है, विशेषज्ञ निश्चित हो चुके हैं। इन सबको मना करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं होगा।

अपने विद्यार्थियों के लिए इतना सोचने वाले गुरु प्रणम्य हैं।

डॉ. कृष्ण गोपाल जी
सह सरकार्यवाह,
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्रीराम आरावकर के द्वारा विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान (स्वामी) के लिए जेनिसिस प्रिंटर, सी 74, ओखला इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस–1, नई दिल्ली–110020 (प्रेस) से मुद्रित एवं प्रज्ञा सदन, जी. एल. टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, नई दिल्ली–110065 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशित।
सम्पादक–डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी

Scanned with CamScanner